

আমার      কালিবাঞ্ছা কল্পতরুর ছায়াতলে আয় রে ।  
 এই      তরুতলে যে যাহা চায় তখনি তা পায় রে ॥

তুই চতুর বর্গ ফল কৃত্তাবি  
 যোগ পাবি, ভোগ পাবি  
 এমন কল্পতরু থাকতে কেন মরিস্ নিরাশায় রে ॥

দস্য ছেলের আবদারে সে  
 সাজে ডাকাত কালির বেশে,  
 কত রামপ্রসাদের কন্যা হয়ে বেড়া বেঁধে যায় রে ॥

ওরে পুত্র-কন্যা বিভব-রতন,  
 চেয়ে নে যার ইচ্ছা যেমন,  
 ওরে আমার এ মন থাকে যেন বাঞ্ছা মনের পায় রে ।

সে আর কিছু না চায়  
 চেয়ে চেয়ে বাসনা তার শেষ হ'ল না হায় !  
 এবার খালি হাতে তালি দিয়ে (আমি) চাইব কালিকায় রে ॥

H.M.V. N. 27352 ॥ শিল্পী ৪ মৃগালকান্তি ঘোষ ॥ সুর ৪ কমল দাশঙ্ক ॥ শ্যামা-সঙ্গীত ॥ তাল ৪ দাদৰা  
 [ মধ্যম বা পঞ্চম স্বরকে 'সা' ধ'রে গাইতে হবে ]

আলাপ ৪

সা	-ৰ	-ৰ	-ৰ	-গ্রা	-ৰ	-গ্রা	-ধা	-সা	-ৰ	-ৰ	-ৰ
আ	০	০	০	০	০	০	০	০	০	০	০

সা      সা      II {      সরা -মজ্জা জ্বরা      |      শ্বা -ধা      গ্রা      I      গ্রা -সা      সা      |      ন্তা      সা      -ৰ      I  
 আ      মারু      কাৰু      ০০      লি০      বান্ৰ      ০      ছা      ক      ল্ৰ      প      ত      রু      ০

[ରା -ସା]  
ଏ ଇ

I	-ା -ା ଧ ୦ ର ଛ		ଗା ସା ରା . I	ଗା ସା ରା . I	ଗା ସା ରା . I	ଗା ଗା -ରା } I
	ରା ତ ଲେ		ଆଠ ଠୟ ରେ	ଆଠ ଠୟ ରେ	ଆଠ ଠୟ ରେ	ଆ ମାର
I	ସରା ରା -ଗା ତୋ କୁ ୦		ଗା ଗା -ରା . I	ରଗ୍ର -ଗ୍ର୍ଯୁ ମା ଯେ ୦ ୦୦ ଯା	ଗା ଗା -ମା	I
	ତ ଲେ ୦		ଯେ ୦ ୦୦ ଯା	ହ ଚ ୦		
I	-ା -ା -ା ୦ ୦ ଯ		-ା ସା -ା I	ସରା ରା -ଗା ତୋ କୁ ୦	ଗା ଗା -ରା I	
	୦ ଏ ଇ			ଗା ମଜ୍ଜା -ମଜ୍ଜା ହ ଚ ଯ		
I	ଗା -ମା ମା ଯେ ୦ ଯା		ଗା ମା -ା I	ଶମା ମଜ୍ଜା -ମଜ୍ଜା ତ ଖୋ ୦	ରା ସା -ା ନି ତା ୦	I
	ଯା			କୁ		
I	ଶ୍ରୀ -ରସା ଶ୍ରୀ ପାଠ ଠୟ ରେ ୦		-ଧା ଧା ଗା . II			
	“ଆ ମାର”		୦			

			[ପା -ଗା ଗା ଫ ଲ କୁ]			
				ଧପା ପା -ଧା ଡାୟ ବି ୦		
ସା ନା III{	ସା ସା -ା ତ ଇ ଚ ତ ର		ସଗା -ା ମା I	(ମା) ପା ପା	ପଞ୍ଚା କ୍ଷପା -ା ଡାୟ ବି ୦	I
	ବୁ ର ଗ			କୁ		

	-ଶପା -ା -ା		-ା -ଗା -ା ]			
	୦ ୦ ୦		୦ ୦ ୦			
I	-ା -ା -ା		-ା -ଗା -ା ) I	ଶଗା -ା ଗା	ଗା ଗା -ା I	
	୦ ୦ ୦		୦ ୦ ୦	ଯୋ ୦ ଗ	ପା ବି ୦	

[ମା ମା]  
ଏ ମନ୍ତ୍ର

I	ରଗ୍ର -ପମା ମଗ୍ନ ତୋ ୦ ୦ ଗ୍ର		ରଗ୍ର ଶମା -ା I	-ା -ା -ା	-ା (ମା -ା) } I	
	ପା ୦ ବି ୦			୦ ୦ ୦	୦ ତ ଇ	

[- শ্বা ণা]  
০ কে ন

I { সা -রা -সা | গা ধ্বা -ধ্বা I শ্বা -সা সা | (-ধ্বা সা সা) } I  
ক ল্প ত রুৰূ ০ থ ক তে ০ এ মন্

I সা সা -গা | -া গা মা I গরা -গা -সা | -া শ্বা ণা I  
ম রি ০ স্ন নি রা শায় য রে ০ কে ন

I সগা শ্বা -া | -া গা মা I গরা -গা -সা | -া সা সা II  
মৰি ০ স্ন নি রা শায় য রে ০ “আ মাৰ”

-া -া II{ যা -া পা | গা ধ্বা -না I না -সা সা | সন্তা সা -া I  
০ ০ দ ০ স্ন ছে লে ব্র আ ব দা রে০ সে ০

I সা সরা -জ্জা | রা জ্জা -া I রমা জমা -জ্জা | রা সা -া } I  
সা জে০ ০ ডা কা ত কালিৰ বে শে ০

I -া -া -া | -া গা মা I { মা -পা পা | পা পা -া I  
০ ০ ০ ক ত রা ম প্র সা দে ব্

[গা -মা]  
যে ০

I গা -পা পা | মা (গমা -রগা I মা -পা পা | পঞ্জা কৃপা -া I  
ক ০ ন্যা হ যে০ ০০ রা ম প্র সায়ে০ ০

I -া -া -া | -া গা মা) } I শ্বা গমা -রা | -া রা রা I  
০ ০ ব্র ক ত রে ড়া ০ রে খে

I রগা -পমা গমা | -গরা শ্বা সা II  
যায় ০য় রে০ ০০ “আ মাৰ”

সা সা II { সা -রা সা | গা -ধা গা I ধা পধা -সগা | ধা ধা -মা I  
 ও রে পু ০ ত্র ক ০ ন্য বি ভ০ র্ব র ত ম

I মা পা -না | না নাঃ -সঃ I শ্ল এ সা | না সা -ঁ I  
 চে যে ০ নে যা র্ব ক্ষ চ ছা | যে ম ০

I না না | না সা সা } I সা সা -রা | রা রা -ঁ I  
 ০ ০ ন্ম ০ ও রে আ মা র | এ ম ন্ম

I রগা রগা -পমা | গা রসা -ঁ I সা -ন গরা | রা সা -রা I  
 থ০ কে০ ০০ যে ন০ ০ বান্ম ০ হ্ত০ | ম নে র্ব

I শ্ল -সা সা | না সা -ঁ I সা -রা রা | গা -প্মা মা I  
 পা য় রে ০ সে ০ আ র্ব কি | জু ০ না

I গমা -গা -ঁ | না সা -ঁ I সা -রা রা | গা -প্মা মা I  
 চাং ০ য় ০ সে ০ আ র্ব কি | জু ০ না

I গমা -গা -ঁ | না -রা -ঁ I মা মা -পা | পা পা -ধা I  
 চাং ০ ০ য় ০ য় ০ চে যে ০ | চে যে ০

I মপা মা -ঁ | গা গরা -সা I সা -রা রা | গা -প্মা মা I  
 বাং ০ স ০ না তাং র্ব | শে ষ্ট হঁ | ল ০ না

I গমা -গা -ঁ | না গা মা I { মা মা -পা | পা পা -ধা I  
 হাং ০ য় ০ এ বার্ব | খ লি ০ | হা তে ০

I পধা পধা -সগা | ধা পা -ধা I শ্ল পা মা | গা রসা -ঁ I  
 তাং লি ০ ০০ দি যে ০ চ ই ব | কা লি ০ ০

		[পা ধা]	
		আ মি	
I	গা -মা পা	-ঁ (গা মা) } I	গা পা মা
	কা য় রে	০ এ বার	চা ই ব
I	গা -মা পা	-ঁ সা সা I	সা গা গরা
	কা য় রে	০ আ মি	চা ই ব০
I	গরা -সা -ঁ	-ঁ -ঁ -ঁ	II
	কা০ ০ ০	০ ০ ০	য়

রেকর্ড গানটির শেষে স্থায়ীতে প্রত্যাবর্তন নেই।